

ग्रसाबारव

## EXTRAORDINARY

भाष I--- खब्द 1

PART I-Section 1

प्राविकार में प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

4 - 227] । नई दि:ली, वृहस्पतिबार, विसम्बर 23, 1971/पीब 2, 1898 - भगा । । NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 23, 1971/PAUSA 2, 1898

इब बाग में भिन्न पृथ्व तंत्रया दी काली है जिससे कि यह ग्रामण संकलन के क्य में पद्मा जा शके। Separate paging is given to this Fact in order that it may be filled as a separate complication

## MINETRY OF FOREIGN TRADE

## FUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 23rd December 1971

manyment: Import policy for Registered Exporters for the year April 2972-March 1972 (Amendment No. 46).

No. 181-IF 2(PN)'71.—Attention is invited to the Import Policy for Registred Exporters postering in the Unport Trade Control Policy Book (Vol.II) for the period April, 1971-March 1972, issued index the Ministry of Poreign Trade Public Notice No. 44-ITC (PN)/71, dated 30-4-1971.

a. The following a ment in man be made at the appropriate places seindlested below:-

	ĭ	2	3		
364	D.7.	I've existing entry at (a) may be amended to read as follows:—  "(a) divening at a may be approved by Government (20%)"  "(a) divening as may			
<b>339</b>	H. 6·4	(ix) Amery) intel with aluminium and lack			
		(x) Rakshabandhan ime sponges etc.	de from imitation zarl, plastic		

M. M. SEN.

Chief Controller of Imports & Exports.

विशेश स्मापार मंत्रासंय

सार्वजिनिक सुचना

ग्रायात ध्यापार नियंत्ररा

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 1971

विषय :-- मप्रैल, 1971-मार्च, 1972 वर्ष के लिए पंजीकृत निर्मातकों के लिए आयाउ नीकि (संशोधन संख्या 46)।

संख्या 181-आई०टी०सी० (पी०एन०)/71.—विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजिनक सूचना संख्या 44-आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 30-4-71 के अन्तगंत अप्रैल,1971-मार्च 1972 वर्ष के लिए जारी की गई आयात व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक (रेडबुक) के बा० 2 में पंजीकृत निर्यातकों के लिए निह्त आयात नीति की और घ्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. निम्नलिखिते संशोधन नीचे निर्दिष्टानुसार उपयुक्त स्थानों पर 'किए जाएं :---

रेड बुक (बा० 2) की पृष्ट संख्या	संदर्भ	संशोधन
i	2	3
215-216.		(के) पर की वर्तमान प्रविष्टि निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्था- —पित की जाए :—  '(के) रेजिन, बंधक, प्रक, संसेचक तथा बेधक श्रीर परिसज्जा कारक (25 प्रतिशत)।"

1		2 3
221.	डी • 7	(ए) परकी विद्यामान प्रविष्टि निम्न प्रकार <b>से प</b> ढ़ने के लि <b>ए</b> — संशोधित की जाए:—
	कालम 4	"(ए) परीक्षण ग्रोर सफाई के लिए उपस्कर तथा ग्रीजार जो
020	FT - a 4	सरकार द्वारा धनुमोदित किए जाएं (20 प्रतिशत)।"  यर्नमान प्रविष्टि (8) के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टि निविष्ट
239	एच • 6.4 	करें: (9) एल्युमीनियम से जड़ी हुई ग्रीर कांच के मनकों तथा
	ψι <b>યન</b> 2	चेटन के साथ लाक्षा से गुत्रज्जित राखदानियां।
		(10) नकली चरी प्लास्टिक स्पर्न्जो ग्रादि से निर्मित रक्षाबंधन ।

एम॰ एम• सेन, मुख्य नियंत्रक, श्रायात -निर्यात ।

